भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2066

दिनांक 02 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग

2066, श्री सुवेंकटेशनः .

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगी किः

(क) क्या सरकार के पास महिलाओं में कुपोषण तथा बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग होने के संबंध में कोई आंकड़े हैं; और

(ख) यदि हां,तो उत्क्त कमियों से प्रभावित महिलाओं और बच्चों का प्रतिशत दर्शाते हुए तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-बार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) और (ख) : प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं के स्वास्थ्य और कुपोषण से संबंधित आंकड़े स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) द्वारा रखे जाते हैं। एनएफएचएस-5 की रिपोर्ट राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण पोर्टल (http://nfhs.in/nfhsnew/nfhsuser/publication.php) पर उपलब्ध है।

वर्ष 1992-93 से अब तक आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के विभिन्न दौरों में बच्चों में कुपोषण के संकेतकों में सुधार देखा गया है। एनएफएचएस-1 से एनएफएचएस-5 तक 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए इन संकेतकों का विवरण नीचे दिया गया है:

एनएफएचएस सर्वेक्षण	**अल्पवजन %**	**दुबलापन %**	**ठिगनापन %**
एनएफएचएस -1 (1992-93)*	53.4	17.5	52
एनएफएचएस -2 (1998-99)*	47	15.5	45.5
एनएफएचएस -3 (2005-6)***	42.5	19.8	48.0
एनएफएचएस -4 (2015-16)***	35.8	21.0	38.4
एनएफएचएस -5 (2019-21)***	32.1	19.3	35.5

*4 वर्ष से कम

**3 वर्ष से कम

**5 वर्ष से कम

उपर्युक्त तालिका उस समय 0-3 वर्ष, 0-4 वर्ष और 0-5 वर्ष की आयु के बच्चों में कुपोषण के संकेतकों की तस्वीर प्रस्तुत करती है। तालिका दर्शाती है कि पिछले 30 वर्षों के दौरान बच्चों में कुपोषण का स्तर लगातार कम हो रहा है।

वर्ष 2021 के लिए 6 वर्ष तक के बच्चों की अनुमानित जनसंख्या 16.1 करोड़ है (स्रोत: भारत और राज्यों 2011 - 2036 के लिए जनसंख्या अनुमान, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय)। हालांकि, 5 वर्ष तक के 7.65 करोड़ बच्चे आंगनवाड़ी में नामांकित हैं और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत हैं। पोषण ट्रैकर के जून, 2024 के आंकड़ों के अनुसार, इनमें से 7.37 करोड़ बच्चों का विकास मापदंडों पर मापन किया गया था। इनमें से 36.5% बच्चे ठिगने पाए गए, 16.4% बच्चे अल्पवजन के पाए गए और 6% बच्चे दुबले पाए गए।

इसके अलावा, वर्ष 2021 के लिए 6 वर्ष तक के बच्चों की अनुमानित जनसंख्या 16.1 करोड़ है। पोषण ट्रैकर के जून 2024 के आंकड़ों के अनुसार, आंगनवाड़ियों में 8.91 करोड़ बच्चे (0-6 वर्ष) नामांकित हैं, जिनमें से 8.57 करोड़ बच्चों का विकास मापदंडों पर मापन किया गया था। इनमें से 35.6% बच्चे (0-6 वर्ष) ठिगने पाए गए और 17.2% बच्चे (0-6 वर्ष) अल्पवजन के पाए गए।

बच्चों की पोषण स्थिति का राज्य-वार आंकड़ा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

<u>अनुलग्नक I</u>

"बच्चों में ठिगनेपन और दुबलेपन" के विषय में श्री सुवेंकटेश . द्वारा दिनांक 02.08.2024 को पूछे गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2066 के भाग (ख) में संदर्भित अनुलग्नक

पोषण ट्रैकर से जून 2024 के लिए देश में कुपोषित बच्चों का राज्यवार विवरण इस प्रकार है:

राज्य	ठिगनापन (%) (0-6 वर्ष)	अल्पवजन (%) (0-6 वर्ष)	दुबलापन (%) (0-5 वर्ष)
आंध्र प्रदेश	20.96	10.59	5.61
अरुणाचल प्रदेश	28	8.5	4.03
असम	39.96	17.17	4.59
बिहार	39.99	22.87	9.81
छतीसगढ़	17.83	13.34	8.92
गोवा	5.91	2.39	0.85
गुजरात	38.95	23.02	9.16
हरियाणा	23.13	8.31	4.22
हिमाचल प्रदेश	17.21	6.5	1.73
झारखंड	38.63	18.35	6.79
कर्नाटक	35.86	17.88	3.9
केरल	30.28	9.42	2.59
मध्य प्रदेश	40.49	27.59	8.46
महाराष्ट्र	42.54	17.8	4.84
मणिपुर	11.65	5.15	0.77
मेघालय	21.93	6.37	0.79
मिजोरम	22.82	6.19	2.51
नागालैंड	23.72	6.38	6.45
ओडिशा	22.34	12.35	3.34
पंजाब	16.67	5.65	3.17
राजस्थान	32.82	17.07	6.24
सिक्किम	12.04	2.36	1.96
तमिलनाडु	15	7.24	3.84
तेलंगाना	31.49	17.54	6.68
त्रिपुरा	35.91	16.42	6.65

राज्य	ठिगनापन (%) (0-6 वर्ष)	अल्पवजन (%) (0-6 वर्ष)	दुबलापन (%) (0-5 वर्ष)
उत्तर प्रदेश	45.13	19.46	5.07
उत्तराखंड	22.37	6.07	2.11
पश्चिम बंगाल	33.97	12.58	7.87
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	13.94	6.65	3.51
दादरा और नगर हवेली - दमन और दीव	38.33	27.52	8.61
दिल्ली	39.39	19.44	3.22
जम्मू और कश्मीर	12.41	3.2	1.35
लद्दाख	12.62	2.73	0.66
लक्षद्वीप	46.29	23.3	13.22
पुद्दुचेरी	32.27	10.88	7.24
यूटी-चंडीगढ़	19.42	12.11	2.88

*****